>

Title: Need to accord the status of Central Agriculture University to Swami Keshwanand Rajasthan Agriculture University, Bikaner, Rajasthan.

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): बीकानेर राजस्थान के रेगिस्तानी इलाके का हृदय स्थल है और इसी कारण 1987 में मोहनलाल सुखाड़िया कृषि विश्वविद्यालय उदयपुर से विभाजन कर बीकानेर में स्वामी केश्वानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी थी। रेगिस्तानी इलाके की जनता का मूल व्यवसाय कृषि और पशुपालन होता है। इसके मद्देनजर वर्ष 2009 में राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर की भी स्थापना की गयी थी। वर्तमान में स्वामी केश्वानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के पास राजस्थान के 21 जिले हैं जहां पर 4 संघटक महाविद्यालय, 6 सम्बद्ध महाविद्यालय, 7 कृषि अनुसंधान केन्द्र, 8 कृषि अनुसंधान उप केन्द्र एवं 14 कृषि विज्ञान केन्द्र राजस्थान के विभिन्न 21 जिलों में स्थापित है। जिनमें कृषि के क्षेत्रों में शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार का कार्य किया जा रहा है। साथ ही हम आपको यह अवगत करवाना चाहते है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा इस विश्वविद्यालय के अधीनस्थ 7 अतिरिक्त कृषि विज्ञान केन्द्र खोले जाने की स्वीकृति भी प्राप्त हो चुकी है। इसके अतिरिक्त भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा क्षेत्रीय समिति की बैठक दिनांक 21 से 23 अक्टूबर 2010 को आयोजित हुई थी तथा उक्त बैठक में भी स्वामी केश्वानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के पास उपलब्ध संसाधन तथा अनुसंधान की क्षमता को देखते हुए एवं बीकानेर की भौगोलिक एवं जलवायु स्थिति को मद्देनजर रखते हुए बीकानेर में ही केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय खोले जाने की अनुशंसा की गयी थी। मैं स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर को केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय का दर्जा दिलवाने की केन्द्रीय कृषि मंत्री से मांग करता हूँ।